☎ STD 05278 V.C. 246223, 246330 (O)
05278 V.C. 246224, 245209 (R)
Fax V.C. 246330(O), 245209(R)
Registrar- 245957(O), 246042(R)
F.O.- 246386(O)

डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या (उ0प्र0)
DR. RAMMANOHAR LOHIA AVADHUNIVERSITY, AYODHYA (U.P.)

हिन्दुस्तान, अयोध्या

दिनांकः 15 अप्रैल 2021 पृष्ठ संख्याः 07

दो मई तक शैक्षणिक कार्य भौतिक रूप से बन्द

अयोध्या | हिन्दुस्तान संवाद

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण के मद्देनजर कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह की अध्यक्षता में आपात बैठक हुई।

बैठक में कुलपति प्रो. सिंह ने सभी को दिशा निर्देश दिए। बैठक में कुलपति प्रो. सिंह ने बताया कि कोविड-19 के तेजी के साथ बढ़ रहे संक्रमण को ध्यान में रखते हुए 16 अप्रैल से दो मई तक विश्वविद्यालय परिसर में समस्त शैक्षणिक कार्य भौतिक रूप से बन्द रहेंगे। इस अवधि में सिर्फ ऑनलाइन माध्यम से ही पठन-पाठन का कार्य संचालित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की समस्त शैक्षणिक गतिविधियां ऑनलाइन मोड में संचालित की जायेंगी। सभी शिक्षक, विभागाध्यक्ष एवं समन्वयक की ओर से निर्धारित की गई समय-सारणी के अनुसार ऑनलाइन कक्षायें ली जायेंगी। किसी भी शिक्षक एवं अधिकारी को बिना अनुमति के मुख्यालय से बाहर जाने की अनुमति प्रदान नहीं होगी। अपरिहार्य परिस्थितियों में अनुमति प्राप्त करने के बाद ही मुख्यालय छोड़ सकेंगे।

बैठक में कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारी इस अवधि में कार्यालय में उपस्थिति रहेंगे तथा अपने कार्यालय के कार्यों को सम्पादित करने के लिए कोरोना प्रोटोकॉल का अनुपालन सुनिश्चित करेंगे। कुलपति प्रो. सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के हॉस्टल में रह रहे सभी छात्र-छात्राएं कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए 48 घण्टों के भीतर सुरक्षित अपने घरों को प्रस्थान कर जायें।

कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय से सम्बद्ध सभी महाविद्यालय के प्राचार्य अपने शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं के साथ शैक्षणिक क्रिया-कलापों के सम्बन्ध में दिशा-निर्देशों का पालन करेंगे और इस सन्दर्भ में अपने सम्बन्धित जिले के डीएम को सूचित कर गाइडलाइन का अनुपालन करेंगे। बैठक में वित्त अधिकारी धनंजय सिंह, कुलसचिव उमानाथ, मुख्य नियंता प्रो. अजय प्रताप सिंह, अधिष्ठाता छात्र-कल्याण प्रो. नीलम पाठक, प्रो. अशोक शुक्ल, प्रो. चयन कुमार मिश्र, प्रो. अनुपम श्रीवास्तव, प्रो. एसएस मिश्र, प्रो. केके वर्मा, प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल, प्रो. शैलेन्द्र कुमार, प्रो. रमापति मिश्र, प्रो. विनोद कुमार श्रीवास्तव, डॉ. राजेश सिंह, डॉ. अशोक कुमार राय, डॉ. नीलम यादव, डॉ. सुरेन्द्र मिश्र, उपकुलसचिव विनय कुमार सिंह, डॉ. शैलेन्द्र सिंह, डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी, अनुराग सिंह, पीयूष राय, पल्लवी सोनी, प्रोग्रामर रवि मालवीय व गिरीशचंद पंत मौजूद रहे।

अमर उजाला माईसिटी, अयोध्या

दिनांकः 15 अप्रैल 2021 पृष्ठ संख्याः 04

अवध विवि में शैक्षणिक कार्य दो मई तक बंद

संवाद न्यूज एजेंसी

कुलपति ने की आपात बैठक, हॉस्टल में रह रहे विद्यार्थियों को 48 घंटे में घर जाने के निर्देश

अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए 16 अप्रैल से 2 मई विश्वविद्यालय परिसर में समस्त शैक्षणिक कार्य बंद करने का निर्णय लिया है। इस अवधि में सिर्फ ऑनलाइन माध्यम से ही पठन-पाठन का कार्य संचालित किया जाएगा। कुलपति ने यह निर्णय बुधवार को एक आपात बैठक में लिया।

बैठक में कुलपति ने बताया कि कोविड-19 के तेजी के साथ बढ़ रहे संक्रमण को ध्यान में रखते हुए समस्त शिक्षकगण, विभागाध्यक्ष एवं समन्वयक द्वारा निर्धारित की गई समय सारणी के अनुसार ऑनलाइन कक्षाएं ली जाएगी। किसी भी शिक्षक एवं अधिकारी को बिना अनुमति के मुख्यालय से बाहर जाने की अनुमति प्रदान नहीं होगी। बताया कि विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारी इस अवधि में कार्यालय में उपस्थिति रहेंगे तथा अपने कार्यालय के कार्यों को संपादित करने के लिए कोरोना प्रोटोकॉल का अनुपालन करते हुए सुनिश्चित करेंगे। कहा कि विश्वविद्यालय के हॉस्टल में रह रहे सभी छात्र-छात्राएं 48 घंटों के भीतर सुरक्षित अपने घरों को प्रस्थान करें। बताया कि विवि से संबद्ध सभी महाविद्यालय के प्राचार्य अपने शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं के साथ-साथ शैक्षणिक क्रिया कलापों के संबंध में उपरोक्त दिशा-निर्देशों का पालन करेंगे। बैठक में वित्त अधिकारी धनंजय सिंह, कुलसचिव उमानाथ, मुख्य नियंता प्रो. अजय प्रताप सिंह, अधिष्ठाता छात्र-कल्याण प्रो. नीलम पाठक समेत अन्य मौजूद रहे।

स्वतंत्र चेतना, अयोध्या

दिनांकः 15 अप्रैल 2021 पृष्ठ संख्याः 04

कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण के कारण कुलपति ने की आपात बैठक

16 अप्रैल से 02 मई तक समस्त शैक्षणिक व भौतिक कार्य रहेंगे बंद

अयोध्या। अवध विवि के संत कबीर सभागार में कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण के दृष्टिगत कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह की अध्यक्षता में एक आपात बैठक की गई। बैठक में कुलपति ने अधिष्ठाता छात्र कल्याण, संकायाध्यक्ष, कुलानुशासक, विभागाध्यक्षों, निदेशकों, समन्वयकों, वार्डन छात्रावासों, अधीक्षक छात्र-ावासों, वित्त अधिकारी, कुलसचिव, उपकुलसचिव, सहायक कुलसचिव, प्रोग्रामर, चिकित्साधिकारी (एलेपैथी व होम्योपैथी) के साथ विवि के शैक्षणिक तथा प्रशासनिक गतिविधियों को वर्तमान कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण को ध्यान में रखते हुए संचालित किये जाने पर विचार-विमर्श किया। बैठक में कुलपति प्रो0 सिंह ने बताया कि कोविड-19 के तेजी के साथ बढ़ रहे संक्रमण को ध्यान में रखते हुए 16 अप्रैल से 02 मई तक विश्वविद्यालय परिसर में समस्त शैक्षणिक कार्य भौतिक रूप से बन्द रहेंगे। इस अवधि

में सिर्फ अनलाइन माध्यम से ही पठन-पाठन का कार्य संचालित किया जायेगा। विवि के समस्त शैक्षणिक गतिविधियां अनलाइन मोड में संचालित की जायेंगी। समस्त शिक्षकगण, विभागाध्यक्ष एवं समन्वयक द्वारा निर्धारित की गई समय-सारणी के अनुसार अनलाइन कक्षायें ली जायेगी। किसी भी शिक्षक एवं अधिकारी को बिना अनुमति के मुख्यालय से बाहर जाने की अनुमति प्रदान नहीं होगी। अपरिहार्य परिस्थितियों में अनुमति प्राप्त करने उपरांत ही मुख्यालय छोड़ सकेंगे। बैठक में कुलपति ने बताया कि विवि के समस्त अधिकारी इस अवधि में कार्यालय में उपस्थिति रहेंगे तथा अपने कार्यालय के कार्यों को सम्पादित करने के लिए कोरोना प्रोटोकल का अनुपालन करते हुए सुनिश्चित करेंगे। बैठक में कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने बताया कि विवि के हॉस्टल में रह रहे सभी छात्र-छात्राएं कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए 48 घण्टों के भीतर सुरक्षित अपने घरों को प्रस्थान कर जायें। बैठक में कुलपति प्रो0 सिंह ने बताया कि इस अवधि में आवश्यक सेवायें जैसे विवि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, विद्युत आपूर्ति, सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छकर्मी एवं माली कोविड प्रोटोकल का पालन करते हुए परिसर में उपस्थित रहे। बैठक में वित्त अधिकारी धनंजय सिंह, कुलसचिव उमानाथ, मुख्य नियंता प्रो0 अजय प्रताप सि-ंह, अधिष्ठाता छात्र-कल्याण प्रो0 नीलम पाठक, प्रो0 अशोक शुक्ल, प्रो0 चयन कुमार मिश्र, प्रो0 अनुपम श्रीवास्तव, प्रो0 एसएस मिश्र, प्रो0 केके वर्मा, प्रो0 सिद्धार्थ शुक्ल, प्रो0 शैलेन्द्र कुमार, प्रो0 रमापति मिश्र, प्रो0 विनोद कुमार श्रीवास्तव, डॉ0 राजेश सिंह, डॉ0 अशोक कुमार राय, डॉ0 नीलम यादव, प्रोग्रामर रवि मालवीय गिरीशचंद पंत उपस्थित रहे।

स्वतंत्र चेतना, अयोध्या

दिनांकः 15 अप्रैल 2021 पृष्ठ संख्याः 04

टीका उत्सव के आखिरी दिन जोर पकड़ा जागरूकता अभियान

दस हजार से अधिक लोगों को विवि द्वारा टीकाकरण के लिए किया गया जागरूक

चेतना समाचार सेवा

अयोध्या। टीका उत्सव के आखिरी दिन अवध विवि ने कोविड टीकाकरण जागरूकता अभियान वृहद पर स्तर पर चलाया। विवि के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह एवं अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्र-ाओं ने जनपद के लगभग 16 चयनित गांवो में कोविड प्रोटोकाल का अनुपालन करते हुए लोगों को कोविड टीका के लिए जागरूक किया। विवि के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने टीका उत्सव को सफल बनाने के लिए उत्सव के आखिरी दिन गणित एवं सांख्यकी विभाग के शिक्षको एवं छात्र-छात्राओं द्वारा गांव में चलाये जा रहे टीका जागरूकता अभियान का निरीक्षण किया। कुलपति ने वहां के निवासियों को कोविड महामारी से बचाव के प्रति जागरूक रहने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि परिवार में 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को स्थानीय प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र पर पहुँच कर टीका जरूर लगवाना चाहिए। इसके लगने से स्वयं एवं परिवार को संक्रमण से बचा सकेंगे। कुलपति ने बताया कि सरकार बीच-बीच में कोविड महामारी से बचाव के लिए जागरूक कर रही है उसका अनुपालन हम सभी को कड़ाई के साथ करना होगा। मास्क हमेशा लगाये, दो गज की दूरी एवं समय-समय पर हाथ की सफाई करते रहे। इन नियमों का लगातार पालन करने से संक्रमण से बच सकते है। कुलपति ने लोगों को जागरूक करने के साथ मास्क भी वितरित किया। कुलपति प्रो0 सिंह के निर्देश पर कुलसचिव उमानाथ प्रातः 8:30 बजे जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग द्वारा नगर के रेतिया मोहल्ले में चलाये जा रहे टीका जागरूकता अभियान का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय कुलसचिव ने शिक्षकों एवं छात्रों की टोली के साथ घर-धर जाकर टीकाकरण के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही वहां के निवासियों से चलती राह रोककर मास्क एवं 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को टीका लगाने के लिए जागरूक किया।

इसके साथ सरायरासी एवं तकपूरा दर्शननगर का जायजा लिया। अवध विवि द्वारा 11 अप्रैल से टीका उत्सव के तहत चलाये जा रहे इस अभियान के आखिरी दिन जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों के लगभग दस हजार से अधिक लोगों को जागरूक किया गया है। विवि के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने कोविड के नियमों का पालन करते हुए ग्रामवासियों को जागरूक किया है। यह अभियान प्रातः 8 बजे से शाम 5 बजे तक दो पालियों में किया गया जिसमें परिसर के गणित एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा गंजा गांव, बायोकमेस्ट्री विभाग पूरे हुसैन, व्यवसाय एवं प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग भीखापुर, पर्यावरण विज्ञान विभाग बिहारीपुर, माइक्रोबायोलॉजी विभाग त्रिहुरा माझा, भौतिकी एवं इलेक्ट्रानिक्स विभाग जनौरा, अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग चांदपुर, प्रौढ़ सतत एवं प्रसार शिक्षा विभाग असरतपुर, विधि विभाग तकपुरा दर्शननगर, जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग रेतिया, एमटीए एवं एमएड विभाग सरायरासी, समाजकार्य विभाग हासापुर, आईईटी पासी का पुरवा, धरमपुर एवं मिल्कीपुर, एनसीसी कोरखाना, आवासीय क्रीड़ विभाग एवं शारीरिक शिक्षा, खेल एवं योगिक संस्थान डाभासेमर, कर्मचारी परिषद उसरू पहाड़गंज, मिर्जापुर एवं रायपुर सघन जागरूकता अभियान चलाया गया है। इस अभियान से काफी संख्या में लोगों ने नजदीक के केन्द्र पर पहुँचकर टीकाकरण करा लिया है।

अमृत विचार, लखनऊ

दिनांकः 15 अप्रैल 2021 पृष्ठ संख्याः 10

कार्यक्रम 130वीं जयंती पर याद किये गये डॉ. भीमराव अंबेडकर, श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया नमन

डॉ. आंबेडकर के आर्थिक विचार आज भी प्रासंगिक : प्रो. सिंह

अमृत विचार, अयोध्या

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के अम्बेडकर चेयर, अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग के तत्वाधान में डा. भीमराव आंबेडकर की 130वीं जयंती के अवसर पर वर्तमान परिदृष्य में डा. भीमराव आंबेडकर के आर्थिक विचारों की प्रासंगिकता विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने कहा कि डा. आंबेडकर के आर्थिक विचार आज भी प्रासंगिक हैं।

मुख्य अतिथि प्रो. एमएम गोयल पूर्व कुलपति, जेएनयू,विशिट अतिथि प्रो. रोहिणी प्रसाद, पूर्व कुलपति, सन्त गहिरा गुरू सरगुजा विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़, प्रो. शक्ति कुमार अध्यक्ष आर्थिक अध्ययन एवम् नियोजन केन्द्र जेएनयू, अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रो. आशुतोष सिन्हा, प्रो.शैलेन्द्रकुमार, डा.प्रिया कुमारी, डा. अनिल यादव, राजीव कुमार, डॉ. सुभाष कुमार आदि मौजूद थे।

आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज ,में विश्वविद्यालय के हाल में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 130 वीं जयंती का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ बिजेंद्र सिंह ने डॉ. भीमराव की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस अवसर पर कुलपति कहा कि बाबा भीमराव अंबेडकर की समता मूलक समाज बनाने के लिए उनके द्वारा किए गए आजीवन संघर्ष एवं उनके जीवन तथा विचारों से शिक्षा ग्रहण करके उनके आदर्शों को अपनी जीवन एवं आचरण में ढालने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर आयोजित संगोष्ठी में विचार व्यक्त करते प्रो. रविशंकर सिंह।

कांग्रेस ने समता दिवस के रूप में मनायी आंबेडकर जयंती

अयोध्या। कांग्रेस ने डॉ. भीमराव आंबेडकर की 130वीं जयंती को समता दिवस के रुप में मनाया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अखिलेश यादव के कार्यालय नौवां कुआं पर बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर उपस्थित कांग्रेस जनों ने अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर मौजूद पूर्व सांसद डॉ. निर्मल खत्री ने कहा कि भारतीय संविधान के जनक डॉ. आंबेडकर का महान व्यक्तित्व लोगों के लिए किसी प्रेरणा से कम नहीं है। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव/अयोध्या जनपद प्रभारी हनुमंत विश्वकर्मा, जिलाध्यक्ष अखिलेश यादव, एआईसीसी सदस्य राजेंद्र प्रताप सिंह, भीम शुक्ला आदि मौजूद रहे।

सपा ने भी संविधान निर्माता को किया याद

अयोध्या। समाजवादी पार्टी कार्यालय लोहिया भवन पर बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण और मोमबत्ती जलाकर मनाया गया । उक्त अवसर पर सपा जिला अध्यक्ष गंगासिंह यादव ने कहा कि बाबा साहब ने कहा था कि आपका उद्धार करने के लिए कोई नहीं आएगा लेकिन अगर आप ठान लो तो आप अपना उद्धार खुद कर सकते हो । बाबा साहब ने जो शिक्षा जो संदेश दिया था उसपर चलकर ही खुद का , समाज का और देश का उत्थान किया जा सकता है । उक्त अवसर पर पार्टी कार्यालय पर जिला उपाध्यक्ष बाबूराम गोंड, शिक्षक सभा जिला अध्यक्ष दान बहादुर सिंह , मोहम्मद हलीम पप्पू, प्रवक्ता चैधरी बलराम यादव ,जिला उपाध्यक्ष मनोज जायसवाल, पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री अमृतराजपाल, वरिष्ठ नेता ब्रिजेश सिंह चैहान,जगन्नाथ यादव, मंजीत यादव, अंसार अहमद, ओपी पासवान, घनश्याम यादव, महानगर महिला सभा अध्यक्ष सरोज जायसवाल, राजन रावत, सुभाष पासी, संजय प्रताप आदि थे।

अमृत विचार, लखनऊ

दिनांकः 15 अप्रैल 2021 पृष्ठ संख्याः 10

अवध विवि में शैक्षणिक कार्य दो मई तक रहेगा बन्द

कोरोना का कहर

अमृत विचार, अयोध्या

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में बुधवार को कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण के दृष्टिगत कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह की अध्यक्षता में बैठक की गई।

कुलपति प्रो. सिंह ने बताया कि कोविड-19 के तेजी के साथ बढ़ रहे संक्रमण को ध्यान में रखते हुए 16 अप्रैल से दो मई तक विश्वविद्यालय परिसर में समस्त शैक्षणिक कार्य भौतिक रूप से बन्द रहेंगे। इस अवधि में सिर्फ ऑनलाइन माध्यम से ही पठन-पाठन का कार्य संचालित किया जायेगा। विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षणिक गतिविधियां ऑनलाइन मोड में संचालित की जायेंगी। समस्त शिक्षकगण, विभागाध्यक्ष एवं समन्वयक द्वारा निर्धारित की गई समय-सारणी के अनुसार ऑनलाइन कक्षायें ली जायेगी। किसी भी शिक्षक एवं अधिकारी को बिना अनुमति के मुख्यालय से बाहर जाने की अनुमति प्रदान नहीं होगी। अपरिहार्य परिस्थितियों में अनुमति प्राप्त करने उपरांत ही मुख्यालय छोड़ सकेंगे। कुलपति ने बताया कि अधिकारी इस अवधि में कार्यालय में उपस्थित रहेंगे तथा कार्यालय के कार्यों को सम्पादित करने के लिए कोरोना प्रोटोकॉल का अनुपालन करते हुए सुनिश्चित करेंगे।

जनसंदेश टाइम्स, लखनऊ

दिनांकः 15 अप्रैल 2021 पृष्ठ संख्याः 07

दस हजार से अधिक लोगों को विश्वविद्यालय द्वारा टीकाकरण के लिए जागरूक किया गया

अयोध्या। टीका उत्सव के आखिरी दिन डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय ने कोविड टीकाकरण जागरूकता अभियान वृहद पर स्तर पर चलाया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह एवं अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं ने जनपद के लगभग 16 चयनित गांवो में कोविड प्रोटोकाल का अनुपालन करते हुए लोगों को कोविड टीका के लिए जागरूक किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने टीका उत्सव को सफल बनाने के लिए उत्सव के आखिरी दिन गणित एवं सांख्यिकी विभाग के शिक्षको एवं छात्र-छात्राओं द्वारा गांव में चलाये जा रहे टीका जागरूकता अभियान का निरीक्षण किया। कुलपति ने वहां के निवासियों को कोविड महामारी से बचाव के प्रति जागरूक रहने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि परिवार में 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को स्थानीय प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र पर पहुॅच कर टीका जरूर लगवाना चाहिए। इसके लगने से स्वयं एवं परिवार को संक्रमण से बचा सकेंगे। कुलपति ने बताया कि सरकार बीच-बीच में कोविड महामारी से बचाव के लिए जागरूक कर रही है उसका अनुपालन हम सभी को कड़ाई के साथ करना होगा। मास्क हमेशा लगाये, दो गज की दूरी एवं समय= पर हाथ की सफाई करते रहे। इन नियमों का लगातार पालन करने से संक्रमण से बच सकते है। कुलपति ने लोगों को जागरूक करने के साथ मास्क भी वितरित किया।

भारत कनेक्ट, लखनऊ

दिनांकः 15 अप्रैल 2021 पृष्ठ संख्याः 10

दस हजार से अधिक लोगों को विवि द्वारा टीकाकरण के लिए जागरूक किया गया

अयोध्या। टीका उत्सव के आखिरी दिन डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय ने कोविड टीकाकरण जागरूकता अभियान वृहद पर स्तर पर चलाया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह एवं अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं ने जनपद के लगभग 16 चयनित गांवो में कोविड प्रोटोकाल का अनुपालन करते हुए लोगों को कोविड टीका के लिए जागरूक किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने टीका उत्सव को सफल बनाने के लिए उत्सव के आखिरी दिन गणित एवं सांख्यिकी विभाग के शिक्षको एवं छात्र-छात्राओं द्वारा गांव में चलाये जा रहे टीका जागरूकता अभियान का निरीक्षण किया। कुलपति ने वहां के निवासियों को कोविड महामारी से बचाव के प्रति जागरूक रहने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि परिवार में 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को स्थानीय प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र पर पहुँच कर टीका जरूर लगवाना चाहिए। इसके लगने से स्वयं एवं परिवार को संक्रमण से बचा सकेंगे।

पावन भारत टाइम्स, अयोध्या

दिनांकः 15 अप्रैल 2021 पृष्ठ संख्याः 04

अवध विवि ने दस हजार से अधिक लोगों को टीकाकरण के लिए किया जागरूक

संवाददाता

अयोध्या। टीका उत्सव के आखिरी दिन डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय ने कोविड टीकाकरण जागरूकता अभियान वृहद पर स्तर पर चलाया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह एवं अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं ने जनपद के लगभग 16 चयनित गांवो में कोविड प्रोटोकाल का अनुपालन करते हुए लोगों को कोविड टीका के लिए जागरूक किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने टीका उत्सव को सफल बनाने के लिए उत्सव के आखिरी दिन गणित एवं सांख्यिकी विभाग के शिक्षको एवं छात्र–छात्राओं द्वारा गांव में चलाये जा रहे टीका जागरूकता अभियान का निरीक्षण किया। कुलपति ने वहां के निवासियों को कोविड महामारी से बचाव के प्रति जागरूक रहने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि परिवार में 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को स्थानीय प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र पर पहुँच कर टीका जरूर लगवाना चाहिए। इसके लगने से स्वयं एवं परिवार को संक्रमण से बचा सकेंगे। कुलपति ने बताया कि सरकार बीच–बीच में कोविड महामारी से बचाव के लिए जागरूक कर रही है उसका अनुपालन हम सभी को कड़ाई के साथ करना होगा। मास्क हमेशा लगाये, दो गज की दूरी एवं समय–समय पर हाथ की सफाई करते रहे। इन नियमों का लगातार पालन करने से संक्रमण से बच सकते है। कुलपति ने लोगों को जागरूक करने के साथ मास्क भी वितरित किया। कुलपति प्रो0 सिंह के निर्देश पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव उमानाथ प्रातः 8:30 बजे जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग द्वारा नगर के रेतिया मोहल्ले में चलाये जा रहे टीका जागरूकता अभियान का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय कुलसचिव ने शिक्षकों एवं छात्रों की टोली के साथ घर–धर जाकर टीकाकरण के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही वहां के निवासियों से चलती राह रोककर मास्क एवं 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को टीका लगाने के लिए जागरूक किया। इसके साथ सरायरासी एवं तकपूरा दर्शन नगर का जायजा लिया। अवध विश्वविद्यालय द्वारा 11 अप्रैल से टीका उत्सव के तहत चलाये जा रहे इस अभियान के आखिरी दिन जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों के लगभग दस हजार से अधिक लोगों को जागरूक किया गया है। इसमें विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राओं ने कोविड के नियमों का पालन करते हुए ग्रामवासियों को जागरूक किया है। यह अभियान प्रातः 8 बजे से शाम 5 बजे तक दो पालियों में किया गया जिसमें परिसर के गणित एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा गंजा गांव, बायोकमेस्ट्री विभाग पूरे हुसैन, व्यवसाय एवं प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग भीखापुर, पर्यावरण विज्ञान विभाग बिहारीपुर, माइक्राबायोलॉजी विभाग त्रिहुरा माझा, भौतिकी एवं इलेक्ट्रानिक्स विभाग जनौरा, अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग चांदपुर, प्रौढ़ सतत एवं प्रसार शिक्षा विभाग असरतपुर, विधि विभाग तकपुरा दर्शननगर, जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग रेतिया, एमटीए एवं एमएड विभाग सरायरासी, समाजकार्य विभाग हासापुर, आईईटी पासी का पुरवा, ध रमपुर एवं मिल्कीपुर, एनसीसी कोरखाना, आवासीय क्रीड़ विभाग एवं शारीरिक शिक्षा, खेल एवं योगिक संस्थान डाभासेमर, कर्मचारी परिषद ऊसरू पहाड़गंज, मिर्जापुर एवं रायपुर सघन जागरूकता अभियान चलाया गया है।

इस अभियान से काफी संख्या में लोगों ने नजदीक के केन्द्र पर पहुँचकर टीकाकरण करा लिया है।

अवध विवि के शिक्षकों द्वारा टीकाकरण जागरूकता अभियान

पावन भारत टाइम्स, अयोध्या

दिनांकः 15 अप्रैल 2021 पृष्ठ संख्याः 04

अवध विवि में 02 मई तक समस्त शैक्षणिक कार्य रहेंगे बन्द

संवाददाता

अयोध्या। डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में आज 14 अप्रैल, 2021 को अपराह्न 3:30 बजे कोविड–19 के बढ़ते संक्रमण के दृष्टिगत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० रविशंकर सिंह की अध्यक्षता में एक आपात बैठक की गई। बैठक में कुलपति ने अधिष्ठाता छात्र कल्याण, संकायाध्यक्ष, कुलानुशासक, विभागाध्यक्षों, निदेशकों, समन्वयकों, वार्डन छात्रावासों, अधीक्षक छात्रावासों, वित्त अधिकारी, कुलसचिव, उपकुलसचिव, सहायक कुलसचिव, प्रोग्रामर, चिकित्साधिकारी (एलेपैथी व होम्योपैथी) के साथ विश्वविद्यालय के शैक्षणिक तथा प्रशासनिक गतिविधियों को वर्तमान कोविड–19 के बढ़ते संक्रमण को ध्यान में रखते हुए संचालित किये जाने पर विचार–विमर्श किया।

बैठक में कुलपति प्रो० सिंह ने बताया कि कोविड–19 के तेजी के साथ बढ़ रहे संक्रमण को ध्यान में रखते हुए 16 अप्रैल, 2021 से 02 मई, 2021 तक विश्वविद्यालय परिसर में समस्त शैक्षणिक कार्य भौतिक रूप से बन्द रहेंगे। इस अवधि में सिर्फ ऑनलाइन माध्यम से ही पठन–पाठन का कार्य संचालित किया जायेगा। विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षणिक गतिविधियां ऑनलाइन मोड में संचालित की जायेंगी। समस्त शिक्षकगण, विभागाध्यक्ष एवं समन्वयक द्वारा निर्धारित की गई समय–सारणी के अनुसार ऑनलाइन कक्षायें ली जायेगी। किसी भी शिक्षक एवं अधिकारी को बिना अनुमति के मुख्यालय से बाहर जाने की अनुमति प्रदान नहीं होगी। अपरिहार्य परिस्थितियों में अनुमति प्राप्त करने उपरांत ही मुख्यालय छोड़ सकेंगे। बैठक में कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारी इस अवधि में कार्यालय में उपस्थिति रहेंगे तथा अपने कार्यालय के कार्यों को सम्पादित करने के लिए कोरोना प्रोटोकॉल का अनुपालन करते हुए सुनिश्चित करेंगे। बैठक में कुलपति प्रो० रविशंकर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के हॉस्टल में रह रहे सभी छात्र–छात्राएं कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए 48 घण्टों के भीतर सुरक्षित अपने घरों को प्रस्थान कर जायें। इस सम्बन्ध में कुलपति ने बताया कि कुलानुशासक, समस्त छात्रावासों के वार्डन एवं अधीक्षक छात्रावासों में रहने वाले छात्र–छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे तथा प्रशासन को भी अवगत कराते रहेंगे। बैठक में कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय से सम्बद्ध सभी महाविद्यालय के प्राचार्य अपने शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं के साथ–साथ शैक्षणिक क्रिया कलापों के सम्बन्ध में उपरोक्त दिशा निर्देशों का पालन करेंगे और इस सन्दर्भ में अपने सम्बन्धित जिले के जिलाधिकारी को सूचित कर गाइडलाइन का अनुपालन करेंगे। बैठक में कुलपति प्रो० सिंह ने बताया कि इस अवधि में आवश्यक सेवायें जैसे विश्वविद्यालय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, विद्युत आपूर्ति, सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छकर्मी एवं माली कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए परिसर में उपस्थित रहे। बैठक में वित्त अधिकारी धनंजय सिंह, कुलसचिव उमानाथ, मुख्य नियंता प्रो० अजय प्रताप सिंह, अधिष्ठाता छात्र–कल्याण प्रो० नीलम पाठक, प्रो० अशोक शुक्ल, प्रो० चयन कुमार मिश्र, प्रो० अनुपम श्रीवास्तव, प्रो० एसएस मिश्र, प्रो० के०के० वर्मा, प्रो० सिद्धार्थ शुक्ल, प्रो० शैलेन्द्र कुमार, प्रो० रमापति मिश्र, प्रो० विनोद कुमार श्रीवास्तव, डॉ० राजेश सिंह, डॉ० अशोक कुमार राय, डॉ० नीलम यादव, डॉ० सुरेन्द्र मिश्र, उपकुलसचिव विनय कुमार सिंह, डॉ० शैलेन्द्र सिंह, डॉ० विजयेन्दु चतुर्वेदी, इं० अनुराग सिंह, इं० पीयूष राय, पल्लवी सोनी, प्रोग्रामर रवि मालवीय गिरीशचंद पंत उपस्थित रहे।

कोरोना के बढ़ते संक्रमण को लेकर बैठक करते कुपलति प्रो. रविशंकर सिंह

जनाभास, लखनऊ

दिनांकः 15 अप्रैल 2021 पृष्ठ संख्याः 04

कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण के कारण कुलपति ने की आपात बैठक

- परिसर में 16 अप्रैल से 02 मई तक समस्त शैक्षणिक कार्य भौतिक रूप से बन्द रहेंगे

अश्वनी पांडेय

जनाभास,अयोध्या। डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में आज 14 अप्रैल, 2021 को अपराह्न 3:30 बजे कोविड–19 के बढ़ते संक्रमण के दृष्टिगत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह की अध्यक्षता में एक आपात बैठक की गई। बैठक में कुलपति ने अधिष्ठाता छात्र कल्याण, संकायाध्यक्ष, कुलानुशासक, विभागाध्यक्षों, निदेशकों, समन्वयकों, वार्डन छात्रावासों, अधीक्षक छात्रावासों, वित्त अधिकारी, कुलसचिव, उपकुलसचिव, सहायक कुलसचिव, प्रोग्रामर, चिकित्साधिकारी (एलेपैथी व होम्योपैथी) के साथ विश्वविद्यालय के शैक्षणिक तथा प्रशासनिक गतिविधियों को वर्तमान कोविड–19 के बढ़ते संक्रमण को ध्यान में रखते हुए संचालित किये जाने पर विचार–विमर्श किया। बैठक में कुलपति प्रो0 सिंह ने बताया कि कोविड–19 के तेजी के साथ बढ़ रहे संक्रमण को ध्यान में रखते हुए 16 अप्रैल, 2021 से 02 मई, 2021 तक विश्वविद्यालय परिसर में समस्त शैक्षणिक कार्य भौतिक रूप से बन्द रहेंगे। इस अवधि में सिर्फ ऑनलाइन माध्यम से ही पठन–पाठन का कार्य संचालित किया जायेगा। विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षणिक गतिविधियां ऑनलाइन मोड में संचालित की जायेंगी। समस्त शिक्षकगण, विभागाध्यक्ष एवं समन्वयक द्वारा निर्धारित की गई समय–सारणी के अनुसार ऑनलाइन कक्षायें ली जायेगी। किसी भी शिक्षक एवं अधिकारी को बिना अनुमति के मुख्यालय से बाहर जाने की अनुमति प्रदान नहीं होगी। अपरिहार्य परिस्थितियों में अनुमति प्राप्त करने उपरांत ही मुख्यालय छोड़ सकेंगे। बैठक में कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारी इस अवधि में कार्यालय में उपस्थिति रहेंगे तथा अपने कार्यालय के कार्यों को सम्पादित करने के लिए कोरोना प्रोटोकॉल का अनुपालन करते हुए सुनिश्चित करेंगे। बैठक में कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के हॉस्टल में रह रहे सभी छात्र–छात्राएं कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए 48 घण्टों के भीतर सुरक्षित अपने घरों को प्रस्थान कर जायें। इस सम्बन्ध में कुलपति ने बताया कि कुलानुशासक, समस्त छात्रावासों के वार्डन एवं अधीक्षक छात्रावासों में रहने वाले छात्र–छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे तथा प्रशासन को भी अवगत कराते रहेंगे। बैठक में कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय से सम्बद्ध सभी महाविद्यालय के प्राचार्य अपने शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं के साथ–साथ शैक्षणिक क्रिया कलापों के सम्बन्ध में उपरोक्त दिशा निर्देशों का पालन करेंगे और इस सन्दर्भ में अपने सम्बन्धित जिले के जिलाधिकारी को सूचित कर गाइडलाइन का अनुपालन करेंगे। बैठक में कुलपति प्रो0 सिंह ने बताया कि इस अवधि में आवश्यक सेवायें जैसे विश्वविद्यालय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, विद्युत आपूर्ति, सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छकर्मी एवं माली कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए परिसर में उपस्थित रहे। बैठक में वित्त अधिकारी धनंजय सिंह, कुलसचिव उमानाथ, मुख्य नियंता प्रो0 अजय प्रताप सिंह, अधिष्ठाता छात्र–कल्याण प्रो0 नीलम पाठक, प्रो0 अशोक शुक्ल, प्रो0 चयन कुमार मिश्र, प्रो0 अनुपम श्रीवास्तव, प्रो0 एसएस मिश्र, प्रो0 के0के0 वर्मा, प्रो0 सिद्धार्थ शुक्ल, प्रो0 शैलेन्द्र कुमार, प्रो0 रमापति मिश्र, प्रो0 विनोद कुमार श्रीवास्तव, डॉ0 राजेश सिंह, डॉ0 अशोक कुमार राय, डॉ0 नीलम यादव, डॉ0 सुरेन्द्र मिश्र, उपकुलसचिव विनय कुमार सिंह, डॉ0 शैलेन्द्र सिंह, डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी, इं0 अनुराग सिंह, इं0 पीयूष राय, पल्लवी सोनी, प्रोग्रामर रवि मालवीय गिरीशचंद पंत उपस्थित रहे।

राहुल गांधी का सरकार पर तीखा ह

विदेश निर्मित टीकों

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने विदेश में निर्मित कोविड रोधी टीकों के भारत में उपयोग को मंजूरी देने की तैयारी को लेकर बुधवार को महात्मा गांधी के एक कथन का हवाला देते हुए सरकार पर कटाक्ष किया। उन्होंने महात्मा गांधी के एक चर्चित कथन

जनाभास, लखनऊ

दिनांक: 15 अप्रैल 2021 पृष्ठ संख्या: 04

डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के आर्थिक विचार आज भी प्रासंगिक: कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह

- अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए भारत रतन अम्बेडकर ने वकालत की: प्रो0 एम0एम0गोयल

अश्वनी पांडेय

जनाभास,अयोध्या। डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के अम्बेडकर चेयर, अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग के तत्वाधान में डा0 भीमराव अम्बेडकर जी की 130वीं जयंती के अवसर पर "वर्तमान परिदृष्य में डा0 भीमराव अम्बेडकर के आर्थिक विचारों की प्रासंगिकता" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने कहा कि डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के आर्थिक विचार आज भी प्रासंगिक है। अम्बेडकर जी बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे और वे जीवन पर्यन्त विपन्नों के लिए संघर्ष करते रहे। डॉ0 अम्बेडकर का मूल उद्देश्य सर्वसमाज का भेद–भाव रहित विकास करना रहा है। आज उनके विचारों को आत्मसात करते हुए विपन्नों को विकास की मुख्यधारा में जोडे और समरसता आधारित समाज की स्थापना करे। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि प्रो0 एम0एम0गोयल पूर्व कुलपति, जे0एन0यू0, जयपुर एवं सलाहकार छठा राज्य वित्त अयोग हरियाणा ने बताया कि राजकोषीय संकट से अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए भारत रतन अम्बेडकर द्वारा वकालत किए गए सार्वजनिक व्यय के सिद्धांत को अपनाना चाहिए। डा0 भीमराव अम्बेडकर के नियमों, कानूनों और विनियमों के अनुसार न केवल संसाधनों का खर्च सुनिश्चित करना चाहिए बल्कि निष्पादन में विश्वास, बुद्धि और मितव्ययता रखनी चाहिए। प्रो. गोयल ने कहा कि प्रतिस्पर्धात्मक मांगों के बीच सार्वजनिक व्यय का आवंटन और उपयोग का तरीका अंबेडकर के कैनन (सिद्धांत) के डोमेन (परिधि) के भीतर आता है जिसे सार्वजनिक खर्च के स्पर्श–पत्थर के रूप में देखा जा सकता है। प्रो. गोयल ने बताया कि डॉ. बी.आर. अम्बेडकर एक पेशेवर अर्थशास्त्री थे जिन्होंने सरकार को विभिन्न ज्ञापन सौंपे जो उनके अर्थशास्त्र के ज्ञान को वैज्ञानिक मुक्त दिमाग का एक अनूठा पहलू बताते हैं । प्रो. गोयल का मानना है कि अनुसूचित जातियों की सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक स्थितियों में सुधार के लिए भारतीय संविधान में विभिन्न सुरक्षा उपायों को शामिल करके अंबेडकर मानव संसाधन विकास के जनक साबित हुए प्रो. गोयल ने बताया कि भगवद् गीता में बौद्ध सिद्धांतों के बारे में उनकी बौद्धिक स्वीकृति हर जगह परिलक्षित होती है । विशिष्ट अतिथि प्रो0 रोहिणी प्रसाद, पूर्व कुलपति, सन्त गहिरा गुरू सरगुजा विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ ने बताया कि डा0 अम्बेडकर निरन्तर से ही कृषि उद्योग एवं अन्य वित्तीय संसाधनों के राष्ट्रीयकरण के पक्षधर थे क्योंकि जब इन संसाधनों पर सरकारी नियंत्रण होगा तब समाज के विपन्न लोगों की आर्थिक शोषण की संभावना कम होगी । विशिष्ट अतिथि एवम् वक्ता के रूप में प्रो0 शक्ति कुमार अध्यक्ष आर्थिक अध्ययन एवम् नियोजन केन्द्र जे0एन0यू0 नई दिल्ली ने डा0 अम्बेडकर के आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक दृष्टिकोण को बहुत व्यापक तरीके से रखते हुए यह बताया कि डा0 अम्बेडकर में राजकोषीय स्थिति सुदृढ करने के लिए रुपये की समस्या का उल्लेख करते हुए उसका बेहतर समाधान प्रस्तुत किया और यह बताया कि राजकोश का समुचित बंटवारा अर्थव्यवस्था के निचले तबके के लिए होना आवष्यक है । तभी हम सम्पूर्ण समाज के विकास की बात कर सकते है । इस अवसर पर अर्थषास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रो0 आशुतोश सिन्हा ने डा0 भीमराव अम्बेडकर के आर्थिक चिन्तन के विभिन्न पहलू का व्यापक विष्लेशण प्रस्तुत किया साथ ही प्रो0.शैलेन्द्रकुमार माइक्रो बॉयोलोजी विभाग ने डा0 भीमराव अम्बेडकर के आर्थिक के अतिरिक्त सामाजिक एवं राजनैतिक बिन्दुओ को भी उल्लेखित किया । अम्बेडकर चेयर के समन्वयक एवं विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रो0 विनोद कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि इस एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का प्रमुख उद्देश्य लोगों को डा0 अम्बेडकर के विभिन्न सामाजिक, आर्थिक दृष्टिकोणों से परिचित कराना रहा है । यह राष्ट्रीय संगोष्ठी ऑफलाइन एवं ऑनलाइन दोनों ही पद्धतियों पर आधारित है जिसमें देश के विभिन्न विद्वान विषेशज्ञों के शोध पत्रों को प्रस्तुत किया जाएगा जिससे बाद में अम्बेडकर चेयर द्वारा प्रकाषित होने वाली एडिटेड बुक में संकलित किया जाएगा यही बाबा साहब अम्बेडकर के प्रति सच्चा आभार राष्ट्रीय संगोश्ठी का शुभारम्भ अतिथियों के द्वारा अम्बेडकर भवन में डा0 भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। विभागीय छात्र–छात्राओं ने कुलगीत की प्रस्तुति की। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 सरिता द्विवेदी, सहायक आचार्य फाईन आर्टस विभाग एवं धन्यवाद ज्ञापन सुश्री पल्लवी सोनी, सहायक आचार्य फाईन आर्टस विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सहायक आचार्य डॉ0 अलका श्रीवास्तव सहायक आचार्य, सुश्री रीमा सिंह ने अपना सहयोग प्रदान किया । कार्यक्रम में डॉ0 प्रिया कुमारी, डा0 अनिल यादव, राजीव कुमार, डॉ0 सुभाश कुमार के साथ शोध छात्रों–छात्राये उपस्थित रहे ।

टीका उत्सव के आखिरी दिन जोर पकड़ा जागरूकता अभियान

- दस हजार से अधिक लोगों को विश्वविद्यालय द्वारा टीकाकरण के लिए जागरूक किया गया

अश्वनी पांडेय

जनाभास,अयोध्या। टीका उत्सव के आखिरी दिन डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय ने कोविड टीकाकरण जागरूकता अभियान वृहद पर स्तर पर चलाया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह एवं अधिकारियों, शिक्षकों कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं ने जनपद के लगभग 16 चयनित गांवो में कोविड प्रोटोकाल का अनुपालन करते हुए लोगों को कोविड टीका के लिए जागरूक किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने टीका उत्सव को सफल बनाने के लिए उत्सव के आखिरी दिन गणित एवं सांख्यिकी विभाग के शिक्षको एवं छात्र–छात्राओं द्वारा गांव में चलाये जा रहे टीका जागरूकता अभियान का निरीक्षण किया। कुलपति ने वहां के निवासियों को कोविड महामारी से बचाव के प्रति जागरूक रहने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि परिवार में 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को स्थानीय प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र पर पहुँच कर टीका जरूर लगवाना चाहिए। इसके लगने से स्वयं एवं परिवार को संक्रमण से बचा सकेंगे। कुलपति ने बताया कि सरकार बीच–बीच में कोविड महामारी से बचाव के लिए जागरूक कर रही है उसका अनुपालन हम सभी को कड़ाई के साथ करना होगा। मास्क हमेशा लगाये, दो गज की दूरी एवं समयत्र पर हाथ की सफाई करते रहे। इन नियमों का लगातार पालन करने से संक्रमण से बच सकते है। कुलपति ने लोगों को जागरूक करने के साथ मास्क भी वितरित किया। कुलपति प्रो0 सिंह के निर्देश पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव उमानाथ प्रातः 8:30 बजे जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग द्वारा नगर के रेतिया मोहल्ले में चलाये जा रहे टीका जागरूकता अभियान का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय कुलसचिव ने शिक्षकों एवं छात्रों की टोली के साथ घर–घर जाकर टीकाकरण के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही वहां के निवासियों से चलती राह रोककर मास्क एवं 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को टीका लगाने के लिए जागरूक किया। इसके साथ सरायरासी एवं तकपूरा दर्शन नगर का जायजा लिया। अवध विश्वविद्यालय द्वारा 11 अप्रैल से टीका उत्सव के तहत चलाये जा रहे इस अभियान के आखिरी दिन जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों के लगभग दस हजार से अधिक लोगों को जागरूक किया गया है। इसमें विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राओं ने कोविड के नियमों का पालन करते हुए ग्रामवासियों को जागरूक किया है। यह अभियान प्रातः 8 बजे से शाम 5 बजे तक दो पालियों में किया गया जिसमें परिसर के गणित एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा गंजा गांव, बायोकमेस्ट्री विभाग पूरे हुसैन, व्यवसाय एवं प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग भीखापुर, पर्यावरण विज्ञान विभाग बिहारीपुर, माइक्राबायोलॉजी विभाग त्रिहुरा माझा, भौतिकी एवं इलेक्ट्रानिक्स विभाग जनौरा, अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग चांदपुर, प्रौढ़ सतत एवं प्रसार शिक्षा विभाग असरतपुर, विधि विभाग तकपुरा दर्शननगर, जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग रेतिया, एमटीए एवं एमएड विभाग सरायरासी, समाजकार्य विभाग हासापुर, आईईटी पासी का पुरवा, धरमपुर एवं मिल्कीपुर, एनसीसी कोरखाना, आवासीय क्रीड़ विभाग एवं शारीरिक शिक्षा, खेल एवं योगिक संस्थान डाभासेमर, कर्मचारी परिषद ऊसरू पहाड़गज, मिर्जापुर एवं रायपुर सघन जागरूकता अभियान चलाया गया है। इस अभियान से काफी संख्या में लोगों ने नजदीक के केन्द्र पर पहुँचकर टीकाकरण करा लिया है।

डहेलिया टाइम्स, सीतापुर

दिनांक: 15 अप्रैल 2021 पृष्ठ संख्या: 04

कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण के कारण कुलपति ने की आपात बैठक

- परिसर में 16 अप्रैल से 02 मई तक समस्त शैक्षणिक कार्य भौतिक रूप से बन्द रहेंगे

अश्वनी पांडेय

डहेलिया टाइम्स,अयोध्या। डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में आज 14 अप्रैल, 2021 को अपराह्न 3:30 बजे कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण के दृष्टिगत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० रविशंकर सिंह की अध्यक्षता में एक आपात बैठक की गई। बैठक में कुलपति ने अधिष्ठाता छात्र कल्याण, संकायाध्यक्ष, कुलानुशासक, विभागाध्यक्षों, निदेशकों, समन्वयकों, वार्डन छात्रावासों, अधीक्षक छात्रावासों, वित्त अधिकारी, कुलसचिव, उपकुलसचिव, सहायक कुलसचिव, प्रोग्रामर, चिकित्साधिकारी (एलेपैथी व होम्योपैथी) के साथ

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक तथा प्रशासनिक गतिविधियों को वर्तमान कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण को ध्यान में रखते हुए संचालित किये जाने पर विचार-विमर्श किया। बैठक में कुलपति प्रो० सिंह ने बताया कि कोविड-19 के तेजी के साथ बढ़ रहे संक्रमण को ध्यान में रखते हुए 16 अप्रैल, 2021 से 02 मई, 2021 तक विश्वविद्यालय परिसर में समस्त शैक्षणिक कार्य भौतिक रूप से बन्द रहेंगे। इस अवधि में सिर्फ ऑनलाइन माध्यम से ही पठन-पाठन का कार्य संचालित किया जायेगा। विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षणिक गतिविधियां ऑनलाइन मोड में संचालित की जायेंगी। समस्त शिक्षकगण, विभागाध्यक्ष एवं समन्वयक द्वारा निर्धारित की गई समय-सारणी के अनुसार ऑनलाइन कक्षायें ली जायेगी। किसी भी शिक्षक एवं अधिकारी को बिना अनुमति के मुख्यालय से बाहर जाने की अनुमति प्रदान नहीं होगी। अपरिहार्य परिस्थितियों में अनुमति प्राप्त करने उपरांत ही मुख्यालय छोड़ सकेंगे। बैठक में कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारी इस अवधि में कार्यालय में उपस्थिति रहेंगे तथा अपने कार्यालय के कार्यों को सम्पादित करने के लिए कोरोना प्रोटोकॉल का अनुपालन करते हुए सुनिश्चित करेंगे। बैठक में कुलपति प्रो० रविशंकर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के हॉस्टल में रह रहे सभी छात्र-छात्राएं कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए 48 घण्टों के भीतर सुरक्षित अपने घरों को प्रस्थान कर जायें। इस सम्बन्ध में कुलपति ने बताया कि कुलानुशासक, समस्त छात्रावासों के वार्डन एवं अधीक्षक छात्रावासों में रहने वाले छात्र-छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे तथा प्रशासन को भी अवगत कराते रहेंगे। बैठक में कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय से सम्बद्ध सभी महाविद्यालय के प्राचार्य अपने शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं के साथ-साथ शैक्षणिक क्रिया कलापों के सम्बन्ध में उपरोक्त दिशा निर्देशों का पालन करेंगे और इस सन्दर्भ में अपने सम्बन्धित जिले के जिलाधिकारी को सूचित कर गाइडलाइन का अनुपालन करेंगे। बैठक में कुलपति प्रो० सिंह ने बताया कि इस अवधि में आवश्यक सेवायें जैसे विश्वविद्यालय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, विद्युत आपूर्ति, सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छकर्मी एवं माली कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए परिसर में उपस्थित रहे। बैठक में वित्त अधिकारी धनंजय सिंह, कुलसचिव उमानाथ, मुख्य नियंता प्रो० अजय प्रताप सिंह, अधिष्ठाता छात्र-कल्याण प्रो० नीलम पाठक, प्रो० अशोक शुक्ल, प्रो० चयन कुमार मिश्र, प्रो० अनुपम श्रीवास्तव, प्रो० एसएस मिश्र, प्रो० के०के० वर्मा, प्रो० सिद्धार्थ शुक्ल, प्रो० शैलेन्द्र कुमार, प्रो० रमापति मिश्र, प्रो० विनोद कुमार श्रीवास्तव, डॉ० राजेश सिंह, डॉ० अशोक कुमार राय, डॉ० नीलम यादव, डॉ० सुरेन्द्र मिश्र, उपकुलसचिव विनय कुमार सिंह, डॉ० शैलेन्द्र सिंह, डॉ० विजयेन्दु चतुर्वेदी, इं० अनुराग सिंह, इं० पीयूष राय, पल्लवी सोनी, प्रोग्रामर रवि मालवीय गिरीशचंद पंत उपस्थित रहे।

डहेलिया टाइम्स, सीतापुर

दिनांक: 15 अप्रैल 2021 पृष्ठ संख्या: 04

डहेलिया टाइम्स (हिन्दी दैनिक) सीतापुर गुरूवार, 15 अप्रैल 2021

वर्तमान परिदृष्य में डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के आर्थिक विचारों की प्रासंगिकता विषय पर हुआ राष्ट्रीय संगोष्ठी

अश्वनी पांडेय

डहेलिया टाइम्स,अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध

विश्वविद्यालय के अम्बेडकर चेयर, अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग के तत्वाधान में डा0 भीमराव अम्बेडकर जी की 130वीं जयंती के अवसर पर "वर्तमान परिदृष्य में डा0 भीमराव अम्बेडकर के आर्थिक विचारों की प्रासंगिकता" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने कहा कि डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के आर्थिक विचार आज भी प्रासंगिक है। अम्बेडकर जी बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे और वे जीवन पर्यन्त विपन्नों के लिए संघर्ष करते रहे। डॉ0 अम्बेडकर का मूल उद्देश्य सर्वसमाज का भेद–भाव रहित विकास करना रहा है। आज उनके विचारों कों आत्मसात करते हुए विपन्नों को विकास की मुख्यधारा में जोडे और समरसता आधारित समाज की स्थापना करे। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि प्रो0 एम0एम0गोयल पूर्व कुलपति, जे0एन0यू0, जयपुर एवं सलाहकार छठा राज्य वित्त अयोग हरियाणा ने बताया कि राजकोषीय संकट से अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए भारत रतन अम्बेडकर द्वारा वकालत किए गए सार्वजनिक व्यय के सिद्धांत को अपनाना चाहिए। डा0 भीमराव अम्बेडकर के नियमों, कानूनों और विनियमों के अनुसार न केवल संसाधनों का खर्च सुनिश्चित करना चाहिए बल्कि निष्पादन में विश्वास, बुद्धि और मित्तव्ययता रखनी चाहिए। प्रो. गोयल ने कहा कि प्रतिस्पर्धात्मक मांगों के बीच सार्वजनिक व्यय का आवंटन और उपयोग का तरीका अंबेडकर के कैनन (सिद्धांत) के डोमेन (परिधि) के भीतर आता है जिसे सार्वजनिक खर्च के स्पर्श–पत्थर के रूप में देखा जा सकता है। प्रो. गोयल ने बताया कि डॉ. बी.आर. अम्बेडकर एक पेशेवर अर्थशास्त्री थे जिन्होंने सरकार को विभिन्न ज्ञापन सौंपे जो उनके अर्थशास्त्र के ज्ञान को वैज्ञानिक मुक्त दिमाग का एक अनूठा पहलू बताते हैं । प्रो. गोयल का मानना है कि अनुसूचित जातियों की सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक स्थितियों में सुधार के लिए भारतीय संविधान में विभिन्न सुरक्षा उपायों को शामिल करके अंबेडकर मानव संसाधन विकास के जनक साबित हुए प्रो. गोयल ने बताया कि भगवद् गीता में बौद्ध सिद्धांतों के बारे में उनकी बौद्धिक स्वीकृति हर जगह परिलक्षित होती है । विषिश्ट अतिथि प्रो0 रोहिणी प्रसाद, पूर्व कुलपति, सन्त गहिरा गुरू सरगुजा विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ ने बताया कि डा0 अम्बेडकर निरन्तर से ही कृशि उद्योग एवं अन्य वित्तीय संसाधनों के राश्ट्रीयकरण के पक्षधर थे क्योंकि जब इन संसाधनों पर सरकारी नियंत्रण होगा तब समाज के विपन्न लोगों की आर्थिक शोषण की संभावना कम होगी । विषिश्ट अतिथि एवम् वक्ता के रुप में प्रो0 शक्ति कुमार अध्यक्ष आर्थिक अध्ययन एवम् नियोजन केन्द्र जे0एन0यू0 नई दिल्ली ने डा0 अम्बेडकर के आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक दृष्टिकोण को बहुत व्यापक तरीके से रखते हुए यह बताया कि डा0 अम्बेडकर में राजकोशीय स्थिति सुदृढ करने के लिए रुपये की समस्या का उल्लेख करते हुए उसका बेहतर समाधान प्रस्तुत किया और यह बताया कि राजकोश का समुचित बंटवारा अर्थव्यवस्था के निचले तबके के लिए होना आवष्यक है । तभी हम सम्पूर्ण समाज के विकास की बात कर सकते है । इस अवसर पर अर्थषास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रो0 आशुतोश सिन्हा ने डा0 भीमराव अम्बेडकर के आर्थिक चिन्तन के विभिन्न पहलू का व्यापक विष्लेशण प्रस्तुत किया साथ ही प्रो0. शैलेन्द्रकुमार माइक्रो बॉयोलोजी विभाग ने डा0 भीमराव अम्बेडकर के आर्थिक के अतिरिक्त सामाजिक एवं राजनैतिक बिन्दुओं को भी उल्लेखित किया । अम्बेडकर चेयर के समन्वयक एवं विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रो0 विनोद कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि इस एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का प्रमुख उद्देश्य लोगों को डा0 अम्बेडकर के विभिन्न सामाजिक, आर्थिक दृष्टिकोणों से परिचित कराना रहा है । यह राष्ट्रीय संगोष्ठी ऑफलाइन एवं ऑनलाइन दोनों ही पद्धतियों पर आधारित है जिसमें देश के विभिन्न विद्वान विषेशज्ञों के शोध पत्रों को प्रस्तुत किया जाएगा जिससे बाद में अम्बेडकर चेयर द्वारा प्रकाषित होने वाली एडिटेड बुक में संकलित किया जाएगा यही बाबा साहब अम्बेडकर के प्रति सच्चा आभार राश्ट्रीय संगोश्ठी का शुभांरम्भ अतिथियों के द्वारा अम्बेडकर भवन में डा0 भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। विभागीय छात्र–छात्राओं ने कुलगीत की प्रस्तुति की। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 सरिता द्विवेदी, सहायक आचार्य फाईन आर्टस विभाग एवं धन्यवाद ज्ञापन सुश्री पल्लवी सोनी, सहायक आचार्य फाईन आर्टस विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सहायक आचार्य डॉ0 अलका श्रीवास्तव सहायक आचार्य, सुश्री रीमा सिंह ने अपना सहयोग प्रदान किया । कार्यक्रम में डॉ0 प्रिया कुमारी, डा0 अनिल यादव, राजीव कुमार, डॉ0 सुभाश कुमार के साथ शोधार्थी छात्र–छात्रायें उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो० रविशंकर सिंह ने गांव के निवासियों को टीकाकरण के लिए किया प्रेरित

- दस हजार से अधिक लोगों को विश्वविद्यालय द्वारा टीकाकरण के लिए जागरूक किया गया

अश्वनी पांडेय

डहेलिया टाइम्स,अयोध्या। टीका उत्सव के आखिरी दिन डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय ने कोविड टीकाकरण जागरूकता अभियान वृहद पर स्तर पर चलाया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह एवं अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं ने जनपद के लगभग 16 चयनित गांवो में कोविड प्रोटोकाल का अनुपालन करते हुए लोगों को कोविड टीका के लिए जागरूक किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने टीका उत्सव को सफल बनाने के लिए उत्सव के आखिरी दिन गणित एवं सांख्यिकी विभाग के शिक्षको एवं छात्र–छात्राओं द्वारा गांव मे चलाये जा रहे टीका जागरूकता अभियान का निरीक्षण किया। कुलपति ने वहां के निवासियों को कोविड महामारी से बचाव के प्रति जागरूक रहने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि परिवार में 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को स्थानीय प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र पर पहुँच कर टीका जरूर लगवाना चाहिए। इसके लगने से स्वयं एवं परिवार को संक्रमण से बचा सकेंगे। कुलपति ने बताया कि सरकार बीच–बीच में कोविड महामारी से बचाव के लिए जागरूक कर रही है उसका अनुपालन हम सभी को कड़ाई के साथ करना होगा। मास्क हमेशा लगाये, दो गज की दूरी एवं समयत्र पर हाथ की सफाई करते रहे। इन नियमों का लगातार पालन करने से संक्रमण से बच सकते है। कुलपति ने लोगो को जागरूक करने के साथ मास्क भी वितरित किया। कुलपति प्रो0 सिंह के निर्देश पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव उमानाथ प्रात 8:30 बजे जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग द्वारा नगर के रेतिया मोहल्ले मे चलाये जा रहे टीका जागरूकता अभियान का निरिक्षण किया। निरीक्षण के समय कुलसचिव ने शिक्षकों एवं छात्रों की टोली के साथ घर–घर जाकर टीकाकरण के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही वहां के निवासियों से चलती राह रोककर मास्क एवं 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को टीका लगाने के लिए जागरूक किया। इसके साथ सरायरासी एवं तकपूरा दर्शन नगर का जायजा लिया। अवगत । विश्वविद्यालय द्वारा 11 अप्रैल से टीका उत्सव के तहत चलाये जा रहे इस अभियान के आखिरी दिन जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों के लगभग दस हजार से अधिक लोगों को जागरूक किया गया है। इसमें विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राओं ने कोविड के नियमों का पालन करते हुए ग्रामवासियों को जागरूक किया है। यह अभियान प्रात 8 बजे से शाम 5 बजे तक दो पालियों मे किया गया जिसमें परिसर के गणित एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा गंजा गांव, बायोकेमेस्ट्री विभाग पूरे हुसैन, व्यवसाय एवं प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग भीखापुर, पर्यावरण विज्ञान विभाग बिहारीपुर, माइक्राबायोलॉजी विभाग त्रिहुरा माझा, भौतिकी एवं इलेक्ट्रानिक्स विभाग जनौरा, अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग चांदपुर, प्रौढ़ सतत एवं प्रसार शिक्षा विभाग असरतपुर, विधि विभाग तकपुरा दर्शननगर, जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग रेतिया, एमटीए एवं एमएड विभाग सरायरासी, समाजकार्य विभाग हासापुर, आईईटी पासी का पुरवा, धरमपुर एवं मिल्कीपुर, एनसीसी कोरखाना, आवासीय क्रीड विभाग एवं शारीरिक शिक्षा, खेल एवं योगिक संस्थान डाभासेमर, कर्मचारी परिषद ऊसरु पहाड़गंज, मिर्जापुर एवं रायपुर सघन जागरुकता अभियान चलाया गया है। इस अभियान से काफी संख्या में लोगों ने नजदीक के केन्द्र पर पहुँचकर टीकाकरण करा लिया है।

मखौड़ा संदेश, बस्ती

दिनांकः 15 अप्रैल 2021 पृष्ठ संख्याः 03

दस हजार से अधिक लोगों को विश्वविद्यालय द्वारा टीकाकरण के लिए जागरूक किया गया

मखौड़ा संदेश अयोध्या संवाददाता।

अयोध्या। टीका उत्सव के आखिरी दिन डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय ने कोविड टीकाकरण जागरूकता अभियान वृहद पर स्तर पर चलाया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह एवं अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं ने जनपद के लगभग 16 चयनित गांवो में कोविड प्रोटोकाल का अनुपालन करते हुए लोगों को कोविड टीका के लिए जागरूक किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने टीका उत्सव को सफल बनाने के लिए उत्सव के आखिरी दिन गणित एवं सांख्यिकी विभाग के शिक्षको एवं छात्र–छात्राओं द्वारा गांव में चलाये जा रहे टीका जागरूकता अभियान का निरीक्षण किया। कुलपति ने वहां के निवासियों को कोविड महामारी से बचाव के प्रति जागरूक रहने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि परिवार में 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को स्थानीय प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र पर पहुँच कर टीका जरूर लगवाना चाहिए। इसके लगने से स्वयं एवं परिवार को संक्रमण से बचा सकेंगे। कुलपति ने बताया कि सरकार बीच–बीच में कोविड महामारी से बचाव के लिए जागरूक कर रही है उसका अनुपालन हम सभी को कड़ाई के साथ करना होगा। मास्क हमेशा लगाये, दो गज की दूरी एवं समयत्र पर हाथ की सफाई करते रहे। इन नियमों का लगातार पालन करने से संक्रमण से बच सकते है। कुलपति ने लोगों को जागरूक करने के साथ मास्क भी वितरित किया।

बस्ती जिले में बढ़ी कोरोना संक्रमितों की संख्या

मखौड़ा संदेश बस्ती संवाददाता।

बस्ती। जिले में कोरोना संक्रमण तेजी बढ़ रहा है। बुधवार को 91 पॉजिटिव केश मिलने से स्वास्थ्य विभाग व प्रशासन में हड़कम्प मच गया। जिसको लेकर सक्रिय मरीजों की संख्या जिले में 474 हो गयी है । वहीं अभी जांच के लिये सैम्पल जमा हैं जिनकी जांच की जा रही है। जानकारी के मुताबिक अबतक बस्ती में मिले मरीजों की कुल संख्या 5962 हो चुकी है जिसमें 5388 मरीज ठीक हो चुके हैं और करीब 100 लोगो की मौत हो चुकी है।

तरूण प्रवाह, लखनऊ

दिनांकः 15 अप्रैल 2021 पृष्ठ संख्याः 07

कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण के कारण कुलपति ने की आपात बैठक

परिसर में 16 अप्रैल से 02 मई तक समस्त शैक्षणिक कार्य भौतिक रूप से बन्द रहेंगे

ब्यूरो रिपोर्ट सर्वेश श्रीवास्तव

अयोध्या। डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण के दृष्टिगत विश्वविद्यालय के कुल. पति प्रो0 रविशंकर सिंह की अध्यक्षता में एक आपात बैठक की गई। बैठक में कुलपति ने अधिष्ठाता छात्र कल्याण, संकायाध्यक्ष, कुलानुशासक, विभागाध्यक्षों, निदेशकों, समन्वयकों, वार्डन छात्रावासों, अधीक्षक छात्रावासों, वित्त अधिकारी, कुलसचिव, उपकुलसचिव, सहायक कुलसचिव, प्रोग्रामर, चिकित्साधिकारी (एलेपैथी व

होम्योपैथी) के साथ विश्वविद्यालय के शैक्षणिक तथा प्रशासनिक गतिविधियों को वत. 'मान कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण को ध्यान में रखते हुए संचालित किये जाने पर विचार-विमर्श किया। बैठक में कुलपति प्रो0 सिंह ने बताया कि कोविड-19 के तेजी के साथ बढ़ रहे संक्रमण को ध्यान में रखते हुए 16 अप्रैल, 2021 से 02 मई, 2021 तक विश्वविद्यालय परिसर में समस्त शैक्षणिक कार्य भौतिक रूप से बन्द रहेंगे। इस अवधि में सिर्फ ऑनलाइन माध्यम से ही पठन-पाठन का कार्य संचालित किया जायेगा। विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षणिक गतिविधियां ऑनलाइन मोड में संचालित की जायेंगी। समस्त शिक्षकगण, विभागाध्यक्ष एवं समन्वयक द्वारा निर्धारित की गई समय-सारणी के अनुसार ऑनलाइन कक्षायें ली जायेगी। किसी भी शिक्षक एवं अधिकारी को बिना अनुमति के मुख्यालय से बाहर जाने की अनुमति प्रदान नहीं होगी। अपरिहार्य परिस्थितियों में अनु. मति प्राप्त करने उपरांत ही मुख्यालय छोड़ सकेंगे। बैठक में कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारी इस अवधि में कार्यालय में उपस्थिति रहेंगे तथा अपने कार्यालय के कार्यों को सम्पादित करने के लिए कोरोना प्रोटोकॉल का अनुपालन करते हुए सुनिश्चित करेंगे। बैठक में कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के हॉस्टल में रह रहे सभी छात्र-छात्राएं कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए 48 घण्टों के भीतर सुरक्षित अपने घरों को प्रस्थान कर जायें। इस सम्बन्ध में कुलपति ने बताया कि कुल. ानुशासक, समस्त छात्रावासों के वार्डन एवं अधीक्षक छात्रावासों में रहने वाले छात्र-छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे तथा प्रशासन को भी अवगत कराते रहेंगे। बैठक में कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय से सम्बद्ध सभी महाविद्यालय के प्राचार्य अपने शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं के साथ-साथ शैक्षणिक क्रिया कलापों के सम्बन्ध में उपरोक्त दिशा निर्देशों का पालन करेंगे और इस सन्दर्भ में अपने सम्बन्धित जिले के जिलाधिकारी को सूचित कर गाइडलाइन का अनुपालन करेंगे। बैठक में कुल. पति प्रो0 सिंह ने बताया कि इस अवधि में आवश्यक सेवायें जैसे विश्वविद्यालय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, विद्युत आपूर्ति, सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छकर्मी एवं माली कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए परिसर में उपस्थित रहे। बैठक में वित्त अधिकारी धनंजय सिंह, कुलसचिव उम. ानाथ, मुख्य नियंता प्रो0 अजय प्रताप सिंह, अधिष्ठाता छात्र-कल्याण प्रो0 नीलम पाठक, प्रो0 अशोक शुक्ल, प्रो0 चयन कुमार मिश्र, प्रो0 अनुपम श्रीवास्तव, प्रो0 एसएस मिश्र, प्रो0 के0के0 वर्मा, प्रो0 सिद्धार्थ शुक्ल, प्रो0 शैलेन्द्र कुमार, प्रो0 रमापति मिश्र, प्रो0 विनोद कुमार श्रीवास्तव, डॉ0 राजेश सिंह, डॉ0 अशोक कुमार राय, डॉ0 नीलम यादव, डॉ0 सुरेन्द्र मिश्र, उपकुलसचिव विनय कुमार सिंह, डॉ0 शैलेन्द्र सिंह, डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी, इं0 अनुराग सिंह, इं0 पीयूष राय, पल्लवी सोनी, प्रोग्रामर रवि मालवीय गिरीशचंद पंत उपस्थित रहे।

तरूण प्रवाह, लखनऊ

दिनांकः 15 अप्रैल 2021 पृष्ठ संख्याः 07

टीका उत्सव के आखिरी दिन जोर पकड़ा जागरूकता अभियान

कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने गांव के निवासियों को टीकाकरण के लिए किया प्रेरित

दस हजार से अधिक लोगों को विश्वविद्यालय द्वारा टीकाकरण के लिए जागरूक किया गया

ब्यूरो रिपोर्ट सर्वेश श्रीवास्तव

अयोध्या। टीका उत्सव के आखिरी दिन डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय ने कोविड टीकाकरण जागरूकता अभियान वृहद पर स्तर पर चलाया। विश्वविद्यालय के कुल. पति प्रो0 रविशंकर सिंह एवं अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं ने जनपद के लगभग 16 चयनित गांवो में कोविड प्रोटोकाल का अनुपालन करते हुए लोगों को कोविड टीका के लिए जागरूक किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने टीका उत्सव को सफल बनाने के लिए उत्सव के आखिरी दिन गणित एवं सांख्यिकी विभाग के शिक्षको एवं छात्र–छात्राओं द्वारा गांव में चलाये जा रहे टीका जागरूकता अभियान का निरीक्षण किया। कुलपति ने वहां के निवासियों को कोविड महामारी से बचाव के प्रति जागरूक रहने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि परिवार में 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को स्थानीय प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र पर पहुँच कर टीका जरूर लगवाना चाहिए। इसके लगने से स्वयं एवं परिवार को संक्रमण से बचा सकेंगे। कुलपति ने बताया कि सरकार बीच–बीच में कोविड महामारी से बचाव के लिए जागरूक कर रही है उसका अनुपालन हम सभी को कड़ाई के साथ करना होगा। मास्क हमेशा लगाये, दो गज की दूरी एवं समय पर हाथ की सफाई करते रहे। इन नियमों का लगातार पालन करने से संक्रमण से बच सकते है। कुलपति ने लोगों को जागरूक करने के साथ मास्क भी वितरित किया। कुलपति प्रो0 सिंह के निर्देश पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव उमानाथ प्रातः 8:30 बजे जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग द्वारा नगर के रेतिया मो. हल्ले में चलाये जा रहे टीका जागरूकता अभियान का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय कुलसचिव ने शिक्षकों एवं छात्रों की टोली के साथ घर–घर जाकर टीकाकरण के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही वहां के निवासियों से चलती राह रोककर मास्क एवं 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को टीका लगाने के लिए जागरूक किया। इसके साथ सरायरासी एवं तकपूरा दर्शन नगर का जायजा लिया। अवध विश्वविद्यालय द्वारा 11 अप्रैल से टीका उत्सव के तहत चलाये जा रहे इस अभियान के आखिरी दिन जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों के लगभग दस हजार से अधिक लोगों को जागरूक किया गया है। इसमें विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राओं ने कोविड के नियमों का पालन करते हुए ग्रामवासियों को जागरूक किया है। यह अभियान प्रातः 8 बजे से शाम 5 बजे तक दो पालियों में किया गया जिसमें परिसर के गणित एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा गंजा गांव, बायोकमेस्ट्री विभाग पूरे हुसैन, व्यवसाय एवं प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग भीखापुर, पर्यावरण विज्ञान विभाग बिहारीपुर, माइक्राबायोलॉजी विभाग त्रिहुरा माझा, भौतिकी एवं इलेक्ट्रानिक्स विभाग जनौरा, अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग चांदपुर, प्रौढ़ सतत एवं प्रसार शिक्षा विभाग असरतपुर, विधि विभाग तकपुरा दर्शननगर, जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग रेतिया, एमटीए एवं एमएड विभाग सरायरासी, समाजकार्य विभाग हासापुर, आईईटी पासी का पुरवा, धरमपुर एवं मिल्कीपुर, एनसीसी कोरखाना, आवासीय क्रीड़ विभाग एवं शारीरिक शिक्षा, खेल एवं योगिक संस्थान डाभासेमर, कर्मचारी परिषद ऊसरू पहाड़गंज, मिर्जापुर एवं रायपुर सघन जागरूकता अभियान चलाया गया है। इस अभियान से काफी संख्या में लोगों ने नजदीक के केन्द्र पर पहुँचकर टीकाकरण करा लिया है।

तरूण प्रवाह, लखनऊ

दिनांक: 15 अप्रैल 2021 पृष्ठ संख्या: 07

डॉ भीमराव अम्बेडकर के आर्थिक विचार आज भी प्रासंगिक: कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह

अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए भारत रतन अम्बेडकर ने वकालत की: प्रो एमएमगोयल वर्तमान परिप्रेक्ष्य में डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के आर्थिक विचारों की प्रासंगिकता विषय पर हुआ राष्ट्रीय संगोष्ठी

ब्यूरो रिपोर्ट सर्वेश श्रीवास्तव

अयोध्या। डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के अम्बेडकर चेयर, अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग के तत्वाधान में डा0 भीमराव अम्बेडकर जी की 130वीं जयंती के अवसर पर "वर्तमान परिदृष्य में डा0 भीमराव अम्बेडकर के आर्थिक विचारों की प्रासंगिकता" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने कहा कि डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के आर्थिक विचार आज भी प्रासंगिक हैं। अम्बेडकर जी बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे और वे जीवन पर्यन्त विपन्नों के लिए संघर्ष करते रहे। डॉ0 अम्बेडकर का मूल उद्देश्य सर्वसमाज का भेद–भाव रहित विकास करना रहा है। आज उनके विचारों को आत्मसात करते हुए विपन्नों को विकास की मुख्यधारा में जोडे और समरसता आधारित समाज की स्थापना करे। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि प्रो0 एम0एम0गोयल पूर्व कुलपति, जे0एन0यू0, जयपुर एवं सलाहकार छठा राज्य वित्त अयोग हरियाणा ने बताया कि राजकोषीय संकट से अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए भारत रतन अम्बेडकर द्वारा वकालत किए गए सार्वजनिक व्यय के सिद्धांत को अपनाना चाहिए। डा0 भीमराव अम्बेडकर के नियमों, कानूनों और विनियमों के अनुसार न केवल संसाधनों का खर्च सुनिश्चित करना चाहिए बल्कि निष्पादन में विश्वास, बुद्धि और मित्तव्ययता रखनी चाहिए। प्रो. गोयल ने कहा कि प्रतिस्पर्धात्मक मांगों के बीच सार्वजनिक व्यय का आवंटन और उपयोग का तरीका अंबेडकर के कैनन (सिद्धांत) के डोमेन (परिधि) के भीतर आता है जिसे सार्वजनिक खर्च के स्पर्श–पत्थर के रूप में देखा जा सकता है। प्रो. गोयल ने बताया कि डॉ. बी.आर. अम्बेडकर एक पेशेवर अर्थशास्त्री थे जिन्होंने सरकार को विभिन्न ज्ञापन सौंपे जो उनके अर्थशास्त्र के ज्ञान को वैज्ञानिक मुक्त दिमाग का एक अनूठा पहलू बताते हैं । प्रो. गोयल का मानना है कि अनुसूचित जातियों की सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक स्थितियों में सुधार के लिए भारतीय संविधान में विभिन्न सुरक्षा उपायों को शामिल करके अंबेडकर मानव संसाधन विकास के जनक साबित हुए प्रो. गोयल ने बताया कि भगवद् गीता में बौद्ध सिद्धांतों के बारे में उनकी बौद्धिक स्वीकृति हर जगह परिलक्षित होती है ।

विषिश्ट अतिथि प्रो0 रोहिणी प्रसाद, पूर्व कुलपति, सन्त गहिरा गुरू सरगुजा विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ ने बताया कि डा0 अम्बेडकर नि. रन्तर से ही कृशि उद्योग एवं अन्य वित्तीय संसाधनों के राश्ट्रीयकरण के पक्षधर थे क्योंकि जब इन संसाधनों पर सरकारी नियंत्रण होगा तब समाज के विपन्न लोगों की आर्थिक शोषण की संभावना कम होगी । विषिश्ट अतिथि एवम् वक्ता के रुप में प्रो0 शक्ति कुमार अध्यक्ष आर्थिक अध्ययन एवम् नियोजन केन्द्र जे0एन0यू0 नई दिल्ली ने डा0 अम्बेडकर के आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक दृष्टिकोण को बहुत व्यापक तरीके से रखते हुए यह बताया कि डा0 अम्बेडकर में राजकोशीय स्थिति सुदृढ करने के लिए रुपये की समस्या का उल्लेख करते हुए उसका बेहतर समाधान प्रस्तुत किया और यह बताया कि राजकोश का समुचित बंटवारा अर्थव्यवस्था के निचले तबके के लिए होना आवष्यक है । तभी हम सम्पूर्ण समाज के विकास की बात कर सकते है । इस अवसर पर अर्थषास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रो0 आशुतोश सिन्हा ने डा0 भीमराव अम्बेडकर के आर्थिक चिन्तन के विभिन्न पहलू का व्यापक विष्लेशण प्रस्तुत किया साथ ही प्रो0.शैलेन्द्रकुमार माइक्रो बॉयोलोजी विभाग ने डा0 भीमराव अम्बेडकर के आर्थिक के अतिरिक्त सामाजिक एवं राजनैतिक बिन्दुओं को भी उल्लेखित किया । अम्बेडकर चेयर के समन्वयक एवं विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रो0 विनोद कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि इस एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का प्रमुख उद्देश्य लोगों को डा0 अम्बेडकर के विभिन्न सामाजिक, आर्थिक दृष्टिकोणों से परिचित कराना रहा है । यह राष्ट्रीय संगोष्ठी ऑफलाइन एवं ऑनलाइन दोनों ही पद्धतियों पर आधारित है जिसमें देश के विभिन्न विद्वान विषेशज्ञों के शोध पत्रों को प्रस्तुत किया जाएगा जिससे बाद में अम्बेडकर चेयर द्वारा प्रकाषित होने वाली एडिटेड बुक में संकलित किया जाएगा यही बाबा साहब अम्बेडकर के प्रति सच्चा आभार राश्ट्रीय संगोश्ठी का शुभारम्भ अतिथियों के द्वारा अम्बेडकर भवन में डा0 भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। विभागीय छात्र–छात्राओं ने कुलगीत की प्रस्तुति की। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 सरिता द्विवेदी, सहायक आचार्य फाईन आर्टस विभाग एवं धन्यवाद ज्ञापन सुश्री पल्लवी सोनी, सहायक आचार्य फाईन आर्टस विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सहायक आचार्य डॉ0 अलका श्रीवास्तव सहायक आचार्य, सुश्री रीमा सिंह ने अपना सहयोग प्रदान किया । कार्यक्रम में डॉ0 प्रिया कुमारी, डा0 अनिल यादव, राजीव कुमार, डॉ0 सुभाश कुमार के साथ शोधार्थी छात्र–छात्रायें उपस्थित रहे ।

शांतिमोर्चा, अयोध्या

दिनांकः 15 अप्रैल 2021 पृष्ठ संख्याः 02

अवधविवि ने टीकाकरण के लिए किया जागरूक

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रवि ांकर सिंह एवं अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं ने जनपद के लगभग 16 चयनित गांवो में कोविड प्रोटोकाल का अनुपालन करते हुए लोगों को कोविड टीका के लिए जागरूक किया

(शान्तिमोर्चा संवाद)

अयोध्या,14 अप्रैल। टीका उत्सव के आखिरी दिन डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय ने कोविड टीकाकरण जागरूकता अभियान वृहद पर स्तर पर चलाया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह एवं अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं ने जनपद के लगभग 16 चयनित गांवो में कोविड प्रोटोकाल का अनुपालन करते हुए लोगों को कोविड टीका के लिए जागरूक किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने टीका उत्सव को सफल बनाने के लिए उत्सव के आखिरी दिन गणित एवं सांख्यिकी विभाग के शिक्षकों एवं छात्र–छात्राओंद्वारा गांव में चलाये जा रहे टीका जागरूकता अभियान का निरीक्षण किया। कुलपति ने वहां के निवासियों को कोविड महामारी से बचाव के प्रति जागरूक रहने के लिए कहा।

उन्होंने कहा कि परिवार में 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को स्थानीय प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र पर पहुँच कर टीका जरूर लगवाना चाहिए। इसके लगने से स्वयं एवं परिवार को संक्रमण से बचा सकेंगे। कुलपति ने बताया कि सरकार बीच–बीच में कोविड महामारी से बचाव के लिए जागरूक कर रही है उसका अनुपालन हम सभी को कड़ाई के साथ करना होगा। मास्क हमेशा लगाये, दो गज की दूरी एवं समय–समय पर हाथ की सफाई करते रहे। इन नियमों का लगातार पालन करने से संक्रमण से बच सकते है।

कुलपति ने लोगों को जागरूक करने के साथ मास्क भी वितरित किया। कुलपति प्रो0 सिंह के निर्देश पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव उमानाथ प्रातः 8:30 बजे जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग द्वारा नगर के रेतिया मोहल्ले में चलाये जा रहे टीका जागरूकता अभियान का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय कुलसचिव ने शिक्षकों एवं छात्रों की टोली के साथ घर–घर जाकर टीकाकरण के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही वहां के निवासियों से चलती राह रोककर मास्क एवं 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को टीका लगाने के लिए जागरूक किया।

इसके साथ सरायरासी एवं तकपूरा दर्शन नगर का जायजा लिया। अवध विश्वविद्यालय द्वारा 11 अप्रैल से टीका उत्सव के तहत चलाये जा रहे इस अभियान के आखिरी दिन जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों के लगभग दस हजार से अधिक लोगों को जागरूक किया गया है।

इसमें विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राओं ने कोविड के नियमों का पालन करते हुए ग्रामवासियों को जागरूक किया है। यह अभियान प्रातः 8 बजे से शाम 5 बजे तक दो पालियों में किया गया जिसमें परिसर के गणित एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा गंजा गांव, बायोकमेस्ट्री विभाग पूरे हुसैन, व्यवसाय एवं प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग भीखापुर, पर्यावरण विज्ञान विभाग बिहारीपुर, माइक्राबायोलॉजी विभाग त्रिहुरा माझा, भौतिकी एवं इलेक्ट्रानिक्स विभाग जनौरा, अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग चांदपुर, प्रौढ़ सतत एवं प्रसार शिक्षा विभाग असरतपुर, विधि विभाग तकपुरा दर्शननगर, जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग रेतिया, एमटीए एवं एमएड विभाग सरायरासी, समाजकार्य विभाग हासापुर, आईईटी पासी का पुरवा, धरमपुर एवं मिल्कीपुर, एनसीसी कोरखाना, आवासीय क्रीड़ विभाग एवं शारीरिक शिक्षा, खेल एवं योगिक संस्थान डाभासेमर, कर्मचारी परिषद ऊसरू पहाड़गंज, मिर्जापुर एवं रायपुर सघन जागरूकता अभियान चलाया गया है। इस अभियान से काफी संख्या में लोगों ने नजदीक के केन्द्र पर पहुँचकर टीकाकरण करा लिया है।

शांतिमोर्चा, अयोध्या

दिनांकः 15 अप्रैल 2021 पृष्ठ संख्याः 08

अवध विवि में 02 मई तक समस्त शैक्षणिक कार्य रहेंगे बन्द

कोरोना के बढ़ते संक्रमण को लेकर कुलपति ने की बैठक

(शान्तिमोर्चा संवाद)

अयोध्या। डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में आज 14 अप्रैल, 2021 को अपराह्न 3:30 बजे कोविड–19 के बढ़ते संक्रमण के दृष्टिगत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह की अध्यक्षता में एक आपात बैठक की गई। बैठक में कुलपति ने अधिष्ठाता छात्र कल्याण, संकायाध्यक्ष, कुलानुशासक, विभागाध्यक्षों, निदेशकों, समन्वयकों, वार्डन छात्रावासों, अधीक्षक छात्रावासों, वित्त अधिकारी, कुलसचिव, उपकुलसचिव, सहायक कुलसचिव, प्रोग्रामर, चिकित्साधिकारी (एलेपैथी व होम्योपैथी) के साथ विश्वविद्यालय के शैक्षणिक तथा प्रशासनिक गतिविधियों को वर्तमान कोविड–19 के बढ़ते संक्रमण को ध्यान में रखते हुए संचालित किये जाने पर विचार–विमर्श किया।

बैठक में कुलपति प्रो0 सिंह ने बताया कि कोविड–19 के तेजी के साथ बढ़ रहे संक्रमण को ध्यान में रखते हुए 16 अप्रैल, 2021 से 02 मई, 2021 तक विश्वविद्यालय परिसर में समस्त शैक्षणिक कार्य भौतिक रूप से बन्द रहेंगे। इस अवधि में सिर्फ ऑनलाइन माध्यम से ही पठन–पाठन का कार्य संचालित किया जायेगा। विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षणिक गतिविधियां ऑनलाइन मोड में संचालित की जायेंगी। समस्त शिक्षकगण, विभागाध्यक्ष एवं समन्वयक द्वारा निर्धारित की गई समय–सारणी के अनुसार ऑनलाइन कक्षायें ली जायेगी। किसी भी शिक्षक एवं अधिकारी को बिना अनुमति के मुख्यालय से बाहर जाने की अनुमति प्रदान नहीं होगी। अपरिहार्य परिस्थितियों में अनुमति प्राप्त करने उपरांत ही मुख्यालय छोड़ सकेंगे। बैठक में कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारी इस अवधि में कार्यालय में उपस्थिति रहेंगे तथा अपने कार्यालय के कार्यों को सम्पादित करने के लिए कोरोना प्रोटोकॉल का अनुपालन करते हुए सुनिश्चित करेंगे। बैठक में कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के हॉस्टल में रह रहे सभी छात्र–छात्राएं कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए 48 घण्टों के भीतर सुरक्षित अपने घरों को प्रस्थान कर जायें। इस सम्बन्ध में कुलपति ने बताया कि कुलानुशासक, समस्त छात्रावासों के वार्डन एवं अधीक्षक छात्रावासों में रहने वाले छात्र–छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे तथा प्रशासन को भी अवगत कराते रहेंगे।